क्या उम्मीद करें –
पेरीटोनियल (फेफड़ों के पर्दे से सम्बन्धित) मेसोथेलियोमा

इलाज के प्रत्येक चरण और इसके आगे की अवस्था में क्या उम्मीद करें

पेरीटोनियल मेसोथेलियोमा आंत (पेरिटोनियम) की लाइनिंग (अस्तर) को प्रभावित करता है जो ऐस्बेटस फाइबर के अंतर्ग्रहण के कारण हुआ हो।

मेसोथेलियोमा संबंधी समर्थन

मेसोथेलियोमा के बारे में और अधिक जानकारी के लिए Cancer Council को **13 11 20**. पर फोन करें। Cancer Council की प्रशिक्षित कैंसर नर्सें कैंसर के प्रभावों से सम्बन्धित आपके सवाओं का जवाब दे सकती हैं, यह बता सकती हैं कि इलाज के दौरान क्या होगा और समर्थन समूहों तथा अन्य सामुदायिक संसाधनों के साथ आपका संपर्क स्थापित कर सकती हैं।

यदि आपको दुभाषिए की ज़रूरत है, तो TIS (Translating and Interpreting Service - अनुवाद एवं दुभाषिया सेवा) को 13 14 50 पर फोन करें।

देखभालकर्ताओं के लिए समर्थन और सलाह के लिए, Carers Association को 1800 242 636 पर फोन करें।

1. प्रारम्भिक जांच-पड़ताल और रेफरल

आपका जनरल प्रेक्टिशनर (GP) आपके लक्षणों का आकलन करेगा। मुख्य लक्षणों में आंत में सूजन या दर्द होना, भूख लगने में कमी, वज़न कम होना, और रात में पसीना आना शामिल है। आपका GP शारीरिक परीक्षण करेगा और टेस्ट कराने का आदेश देगा।

क्योंकि पेरीटोनियल मेसोथेलियोमा अक्सर कई वर्ष पहले ऐस्बेटस फाइबर के अंतर्ग्रहण होने के कारण होता है, इसलिए पहले कभी सम्भवत: ऐस्बेटस की चपेट में आने की घटना के बारे में अपने डॉक्टर को बताना महत्वपूर्ण होता है ताकि आपका डॉक्टर इस खतरा कारक से सतर्क हो सके।

परिवार के किसी सदस्य या मित्र को अपने साथ अपॉइंटमेंट्स में लाना सहायक हो सकता है।

आपके निम्नलिखित टेस्ट हो सकते हैं:

ब्लड टेस्ट (रक्त की जांच)
आपके संपूर्ण स्वास्थ्य की जांच करने के लिए, यह देखने के लिए कि आपके रक्त की कोशिकाएँ, जिगर (लिवर) और गुर्दे (किडनी) ठीक से काम कर रही है या नहीं।

एक्स-रे (आंत और छाती)
आंत और पेरिटोनियम में, और फेफड़ों के आसपास (क्योंकि फेफड़ों (प्लुरा) की लाइनिंग पर भी असर पड़ सकता है) किन्हीं विकारों या द्रव के निर्माण की पहचान करने में सहायता देने के लिए।

कंप्यूटेड टोमोग्राफी (CT) स्कैन
आंत और पेरिटोनियम, फेफड़ों और प्लुरा की विस्तृत तस्वीरों का निर्माण करने के लिए कंप्यूटर तकनीकों का प्रयोग किया जाता है।

आपके GP को आपकी आवश्यकताओं (इसमें शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और सूचना संबंधी आवश्यकताएँ शामिल हैं) की भी चर्चा करनी चाहिए और विश्वसनीय सूचना तथा समर्थन के स्रोतों का सुझाव भी देना चाहिए।

यदि मेसोथेलियोमा होने का संदेह हो, तो आपको आगे और टेस्ट कराने के लिए किसी विशेषज्ञ (स्पेशलिस्ट) के पास रेफर किया जाएगा। आपका GP स्पेशलिस्ट को आपके चिकित्सीय इतिहास और शुरूआती टेस्टों के परिणाम से सम्बन्धित जानकारी देगा।

2. रोग-निदान और चरण

स्पेशलिस्ट निम्नलिखित में से एक या एक से अधिक टेस्ट करके यह पुष्टि करेगा कि क्या आप मेसोथेलियोमा से ग्रस्त हैं या नहीं:

लैप्रोस्कोपी या CT निर्देशित बायोप्सी
आंत से ऊतक (टिशु) का एक छोटा नमूना (बायोप्सी) लिया जाता है ताकि माइक्रोस्कोप के नीचे इसकी जांच की जा सके। यह नमूना कीहोल सर्जरी द्वारा लिया जा सकता है, जिसे लैप्रोस्कोपी कहते हैं, या यह CT स्कैन द्वारा निर्देशित सुई का प्रयोग करके लिया जाता है।

मैगनेटिक रेसोनेंस इमेज़िंग (MRI) स्कैन
शरीर के अंदर की तस्वीरें लेने के लिए मैगनेटिक फील्ड्स और रेडियो तरंगों का प्रयोग किया जाता है।

पैरासेन्टेसिस
आंत के क्षेत्र से द्रव का एक नमूना सुई से निकाला जाता है और इसे जांच के लिए पैथोलोजिस्ट को भेजा जाता है। इसे अक्सर अल्ट्रासाउंड इमेज़िंग का प्रयोग करके किया जाता है।

पोजीट्रान इमीशन टोमोग्राफी (PET) स्कैन
इससे त्रियामी रंगीन तस्वीर उत्पन्न हो सकती है जिसमें शायद यह दिखे कि कैंसर कहाँ स्थित है। रेडियोएक्टिव सामग्री की थोड़ी मात्रा इंजेक्ट की (डाली) जाती है और पूरे शरीर को स्कैन किया जाता है।

कैंसर पीड़ित समर्थन समूहों और देखभालकर्ताओं के लिए समर्थन समूहों से संपर्क करना सहायक हो सकता है।

3. इलाज

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपको सर्वश्रेष्ठ देखभाल मिलती है, आपका स्पेशलिस्ट आपकी प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के आधार पर आपके इलाज की योजना बनाने के लिए स्वास्थ्य व्यवसायियों की टीम की व्यवस्था करेगा।

टीम में ऐसे व्यवसायी शामिल होंगे जिनके पास मेसोथेलियोमा से ग्रस्त व्यक्ति का प्रबंध और समर्थन करने का अनुभव हो। आपका स्पेशलिस्ट आपके बताएगा कि टीम आपके मामले की चर्चा कब करेगी।

आपकी टीम आपके निरंतर देखभाल की योजना बनाएगी, और उन्हें आपके साथ इलाज के अलग-अलग विकल्पों की चर्चा करनी चाहिए, इसमें संभावित परिणाम, संभावित दुष्प्रभाव तथा खतरे व लाभ शामिल हैं।

अपने इलाज के बारे में फैसला लेने से पहले आप और अधिक समय की मांग करना चाह सकते/सकती हैं, या आप दूसरी राय लेना चाह सकते/सकती हैं। आपका डॉक्टर भी आपको यह सलाह दे सकता है कि आप क्लिनिकल ट्रायल (परीक्षण) में भाग लेने पर विचार करें।

यदि आप कोई पूरक थेरेपियों का प्रयोग कर रहे/रही हैं या इनका प्रयोग करने के बारे में सोच रहे/रही हैं तो अपनी टीम को इसके बारे में बताएँ। हो सकता है कि आपके चिकित्सीय इलाज पर निर्भर करते हुए कुछ थेरेपियाँ उचित न हों।

3. इलाज जारी है

इलाज के विकल्प:

कीमोथेरेपी पेरीटोनियल मेसोथेलियोमा के लिए इलाज का सबसे सामान्य प्रकार है। इसे कैंसर को छोटा करने या इसकी वृद्धि को धीमा करने की कोशिश करने के लिए भी दिया जा सकता है।

सर्जरी

यदि आपका मेसोथेलियोमा काफी आगे के चरण तक पहुँच गया है, तो हो सकता है कि आपको डीबुलिंग सर्जरी करवाने के लिए कहा जाए जिसमें जितना संभव हो सके कैंसर को हटाया जाता है। सर्जरी का उद्देश्य रोग के फैलाव को रोकना और अहम अंगों पर दवाब से राहत दिलाना होता है।

यदि कैंसर फैला नहीं है तो कुछ मामलों में पेरिटोनेक्टमी (या साइटेडेक्टिव सर्जरी) की जा सकती है, जहाँ उद्देश्य दिखाई देने वाले ट्यूमर को जितना हो सके, हटाना होता है, न कि पूरे ट्यूमर को।

सर्जरी को सर्जरी करते समय हीटिड कीमोथेरेपी के निषेचन के साथ संयोजन में भी दिया जा सकता है (हीटिड इंट्राऑपरेटिव इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी) (HIPEC)। यह इलाज ऑस्ट्रेलिया में बहुत कम सर्जनों द्वारा किया जाता है।

पैरासेन्टेसिस

रोग-नैदानिक कार्यविधि होने के साथ-साथ, पैरासेन्टेसिस जलोदर (आंत में द्रव इकट्ठा होने की स्थिति) से ग्रस्त रोगियों को दर्द से राहत भी दिलाता है। एक छोटी ट्यूब अंदर डाली जाती है ताकि द्रव आंत से निकल कर बोतल में आ जाए।

नज़र रखना और देखना

अक्सर रोग-निदान या शुरूआती सर्जरी के बाद रोगियों में कोई लक्षण नहीं होते हैं। इस मामले में आगे कोई और इलाज नहीं किया जाता है और हो सकता है कि आपका स्पेशलिस्ट ध्यानपूर्वक नज़र रखने के लिए कहे, और जैसे-जैसे लक्षण सामने आएँ उनसे निपटने के लिए कहे।

प्रशामक इलाज का प्रयोग अलग-अलग चरणों पर विभिन्न लक्षणों से राहत दिलाने और आपकी जीवन-शैली में सुधार करने में सहायता देने के लिए किया जाएगा।

इलाज तथा इलाज के दुष्प्रभावों के बारे में और अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से पूछें या www.cancer.org.au/about-cancer/types-of-cancer/mesothelioma.html **देखें।**

4. इलाज के बाद

इलाज पूरा होने के बाद, आपके डॉक्टर को आपको इलाज का सारांश देना चाहिए जिसमें आपको मिली देखभाल का विवरण दिया गया हो, इसमें शामिल है:

- रोग-निदान करने के लिए किए गए टेस्ट और उनके परिणाम
- प्रयोग किए गए इलाज के प्रकार और इन्हें कब-कब किया गया था
- अन्य स्वास्थ्य व्यवसायियों से प्राप्त इलाज योजनाएँ
- आपको प्रदान की गई समर्थन सेवाएँ
- मुख्य देखभाल प्रदाताओं के लिए संपर्क जानकारी।

अधिकांश रोगियों के लिए यह ज़रूरी है कि वे नियमित फॉलो-अप के लिए किसी स्पेशलिस्ट से मिलें।

आपके और आपके GP को आगे की देखभाल योजना मिलेगी जिसमें यह बताया जाएगा कि:

- आपके लिए किस प्रकार का फॉलो-अप सबसे बढ़िया है
- यदि इलाज के कारण कोई दुष्प्रभाव होते हैं, तो उनका प्रबंध करने के तरीके क्या हैं
- यदि आपको लगता है कि कैंसर और बिगड़ गया है तो जल्दी से विशेषज्ञ चिकित्सीय सहायता कैसे लेनी है।

यदि इलाज के बाद आपको अतिरिक्त सहायता की ज़रूरत है, तो आपका GP या स्पेशलिस्ट आपके साथ आपकी आवश्यकताओं की चर्चा कर सकता है और आपको उचित स्वास्थ्य व्यवसायियों और/या सामुदायिक संस्थाओं को रेफर कर सकता है।

5. कैंसर से पीड़ित होते हुए जीवन व्यतीत करना

दुष्प्रभाव: कुछ लोग ऐसे दुष्प्रभावों का अनुभव करते हैं जो इलाज के समाप्त होने के बाद भी जारी रहते हैं (जैसे कि थकावट)। हो सकता है कि कभी-कभी इलाज के समाप्त होने के कई महीनों तक दुष्प्रभाव होने शुरू न हों। दुष्प्रभावों के बारे में और अधिक जानकारी अपने डॉक्टर से पूछें या cancervic.org.au/about-cancer/survivors/long-term-side-effects **देखें।**

अग्रिम देखभाल योजना: आपका डॉक्टर अग्रिम देखभाल योजना तैयार करने के विकल्प की चर्चा आपके साथ कर सकता है।

अग्रिम देखभाल योजना भविष्य की चिकित्सीय देखभाल के लिए आपकी इच्छाओं को तय करने का एक औपचारिक तरीका है। अग्रिम देखभाल योजना के बारे में और अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से पूछें या www.advancecareplanning.org.au **देखें।**

प्रशामक देखभाल: अलग-अलग चरणों में इस प्रकार के इलाज का प्रयोग किया जा सकता है ताकि आपको दर्द से राहत देने, आपके लक्षणों को कम करने या आपकी जीवन-शैली में सुधार करने में सहायता दी जा सके। प्रशामक देखभाल के बारे में और अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से पूछें या www.caresearch.com.au **देखें।**

6. लागत से सम्बन्धित सवाल

कैंसर की देखभाल के मार्ग के प्रत्येक चरण पर लागत से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं, इसमें इलाज, आवास और यात्रा के खर्च शामिल हैं। यदि आप गैर-सरकारी स्वास्थ्य सेवा में इलाज करा रहे/रही हैं तो आपका अपनी जेब से बहुत खर्च हो सकता है, भले ही आपके पास प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस हो। आप अपने इलाज के प्रत्येक प्रकार के लिए इन खर्चों की चर्चा अपने डॉक्टर और/या प्राइवेट हेल्थ इंश्योरर के साथ कर सकते/सकती हैं।

अधिकांश मामलों में मेसोथेलियोमा ऐस्बेटस की चपेट में आने के कारण होता है। यदि आप यह पहचान कर सकते/सकती हैं कि आप ऐस्बेटस की चपेट में कैसे आए थे/आई थी, इसमें काम पर ऐसा होना शामिल है, तो आप मुआवजे और समर्थन के लिए पात्र हो सकते/सकती हैं। प्रत्येक राज्य में मुआवजे के लिए अलग-अलग योजनाएँ हैं।

आप उत्तरदायी कंपनी के खिलाफ प्राइवेट क्लेम की शुरूआत करने में भी सक्षम हो सकते/सकती हैं – यह सुझाव दिया जाता है कि आप ऐसे क्लेम से निपटने वाले किसी स्पेशलिस्ट ऐस्बेटस अभियोग वकील से संपर्क करें।

यदि अपने कैंसर के इलाज के लिए आपको वित्तीय कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है तो आप अपने स्थानीय अस्पताल पर सामाजिक कार्यकर्ता से संपर्क कर सकते/सकती हैं।

उपचार की लागत के बारे में और अधिक जानकारी के लिए canceraustralia.gov.au/affected-cancer/living-cancer/dealing-practical-aspects-cancer/costs-treatment **देखें**

आवास और यात्रा के खर्च के बारे में और अधिक जानकारी के लिए www.cancercouncil.com.au/get-support/practical-support-services **देखें**

नवम्बर 2016 में प्रकाशित

और अधिक जानकारी के लिए
www.cancerpathways.org.au देखें

Australian Government
Cancer Australia
VICTORIA State Government
Cancer Council
Hindi